

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 198] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 21, 1970/कार्तिक 30, 1892  
No. 198] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 21, 1970/KARTIKA 30, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 21st November, 1970

G.S.R. 1929.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order, namely:—

1. **Short title, extent, and commencement.**—(1) This Order may be called the Indian Maize (Temporary Use in Manufacture of Starch) Order, 1970.

(2) It extends to the whole of the State of Gujarat.

(3) It shall come into force at once, and shall continue to be in operation upto and inclusive of the 30th day of April, 1971.

2. **Relaxation of prohibition against use.**—Notwithstanding anything contained in the Foodgrains (Prohibition of Use in Manufacture of Starch) Order, 1966, it shall be lawful, during the continuance in force of this Order, for the owner of a starch factory in the State of Gujarat to purchase or cause to be purchased or use or cause to be used Indian maize out of stocks available with the Food Corporation of India for the manufacture of starch.

3. **Total quantity to be used.**—The total quantity of Indian maize that may be used by the owner of a starch factory in the manufacture of starch under clause 2 shall not exceed two thousand tonnes.

**Explanation.**—For the purposes of this Order, "Indian maize" means maize other than hybrid maize, grown in India.

[No. 205(Gen)(3)/30/70-PY.II.]

R. BALASUBRAMANIAN, Jt. Secy.

(917)

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 1970

स।० का।० नि० 1929.—आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) के धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अयोग में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित आदेश बनाती है, अर्थात् :-

(1) 1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और आरम्भ.—(1) यह आदेश भारतीय मक्का (स्टार्च) विनिर्माण में अस्थायी उपयोग आदेश, 1970 कहा जा सकेगा।

(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण गुजरात राज्य पर है।

(3) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा, और अप्रैल 1971 के 30वें दिन तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है प्रवर्तित रहेगा।

2. उपयोग के प्रतिबंध में शिथिलीकरण.—खाद्यान (स्टार्च) के विनिर्माण में उपयोग पर प्रतिबंध आदेश, 1956 में किसी बात के होने हुए भी इस आदेश के प्रवृत्त रहने के दौरान, गुजरात राज्य में स्टार्च कारखाने के किसी भी स्वामी के लिए स्टार्च के विनिर्माण के लिए भारतीय खाद्य निगम के पास उपलब्ध भण्डार में से भारतीय मक्का क्रय करना या क्रय कराना प्रयत्न उपयोग करना या उपयोग करना विधि पूर्ण होगा।

3. प्रयुक्त किया जाने वाला कुल परिमाण:— भारतीय मक्का का वह कुल पारमाण, जो किसी स्टार्च कारखाने के स्वामी द्वारा खण्ड 2 के अर्थात् स्टार्च के विनिर्माण में प्रयुक्त किया जा सकता है, दो हजार टन से अधिक नहीं होगा।

स्पष्टीकरण:—इस आदेश का प्रयोजनों के लिए भारतीय मक्का से भारत में उत्पन्न संकर मक्का से भिन्न मक्का अभिप्रेत है।

[सं० 205(सा०) (3)/30/70 पी० आई-II.]

रा० बालसुब्रह्मण्यम, संयुक्त सचिव।